	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
एतत् = यह			
पुंल्लिग	एषः (यह)	एतौ (ये दो)	एते (ये सब)
स्त्रीलिंग	एषा (यह)	एते (ये दो)	एताः (ये सब)
नपुंसकलिंग	एतत् (यह)	एते (ये दो)	एतानि (ये सब)
इदम् = यह			
पुंल्लिग	अयम् (यह)	इमौ (ये दो)	इमे (ये सब)
स्त्रीलिंग	इयम् (यह)	इमे (ये दो)	इमाः (ये सब)
नपुंसकलिंग	इदम् (यह)	इमे (ये दो)	इमानि (ये सब)
किम् (क्या)			
पुंल्लिग	कः (कौन)	कौ (कौन दो)	के (कौन सब)
स्त्रीलिंग	का (कौन)	के (कौन दो)	काः (कौन सब)
नपुंसकलिंग	किम् (क्या)	के (क्या दो)	कानि (क्या सब)
युष्मद् (तुम)			
सभी लिंगों में समान	त्वम् (तुम)	युवाम् (तुम दो)	यूयम् (तुम सब)
अस्मद् (मैं)			
सभी लिंगों में समान	अहम् (मैं)	आवाम् (हम दो)	वयम् (हम सब)

विशेष– 1. 'तत्' सर्वनाम का प्रयोग दूर की वस्तु के लिए किया जाता है।
2. 'एतत्' तथा 'इदम्' सर्वनाम शब्दों का प्रयोग पास की वस्तु के लिए किया जाता है।

अभ्यास

सम्प्रति लेखनीयम्

1. **'तत्' सर्वनामस्य त्रिषु वचनेषु लिंगेषु च प्रथमाविभक्तेः रूपाणि लिखत।**

('तत्' सर्वनाम के तीनों वचनों और तीनों लिंगों में प्रथमा विभक्ति के रूप लिखिए। Write the pro 'तत्' in all the three numbers and genders in प्रथमा विभक्ति।)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
तत् (पुंल्लिग)	सः	तौ	ते
तत् (स्त्रीलिंग)	सा	ते	ताः
तत् (नपुंसकलिंग)	तत्	ते	तानि

2. 'एतत्' (स्त्रीलिंग) सर्वनामस्य त्रिषु वचनेषु प्रथमाविभक्तेः रूपाणि लिखत।

('एतत्' (स्त्रीलिंग) के तीनों वचनों के रूप प्रथमा विभक्ति में लिखिए। Decline the pronoun 'एतत्' in feminine gender in प्रथमा विभक्ति in all the three numbers.)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
एतत् (स्त्रीलिंग)	....	....	....

3. निम्नशब्दान् उचितार्थैः सह मेलयत।

(निम्न शब्दों का उचित अर्थों से मिलान कीजिए। Match the following words with correct meanings.)

I.	शब्दाः	अर्थाः
(क)	वयम्	(i) ये सब (नपुं०)
(ख)	कौ	(ii) हम सब
(ग)	कानि	(iii) तुम सब
(घ)	यूयम्	(iv) क्या सब (नपुं०)
(ङ)	एतानि	(v) कौन दो

II.	शब्दाः	अर्थाः
(क)	एते	(i) क्या
(ख)	काः	(ii) कौन (पुं०)
(ग)	किम्	(iii) कौन सब (स्त्री०)
(घ)	के	(iv) ये दो (स्त्री०)
(ङ)	कः	(v) कौन सब (पुं०)

4. उचितसर्वनामैः रिक्तस्थानानि पूरयत।

(उचित सर्वनामों से रिक्त स्थान भरिए। Fill in the blanks with correct pronouns.)

(क) .... बाला गच्छति। (सः, सा)

(ख) .... पुष्पाणि विकसन्ति। (तानि, ते)

(ग) .... बालकाः खादन्ति। (ते, ताः)

(घ) .... अजा चरति। (एषः, इयम्)

(ङ) .... लते पततः। (ते, ताः)

(च) .... पत्रम् पतति। (तत्, सा)

मूल्यपरकम्

1. किम् त्वम् सदैव स्वहितं चिन्तयसि अथवा अन्येषां हितम् अपि रक्षसि? (क्या तुम हमेशा अपने विषय में ही सोचते हो अथवा दूसरों का भला भी करते हो?)
2. 'एतत् मम, तत् तव' किम् एतत् भावम् उचितम्? ('यह मेरा, वह तेरा' क्या यह भावना उचित है?)

क्रियाकलापः

- छात्रों से **ते**, **एते**, **इमे**, **के** सर्वनामों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनवाकर संचिका में लिखवाएँ; जैसे—

ते नराः खादन्ति। (पुंल्लिंग-बहुवचनम्) **ते** बाले पठतः। (स्त्रीलिंग-द्विवचनम्)

ते फले पततः। (नपुंसकलिंग-द्विवचनम्) इत्यादि।

सूक्तिः

॥ क्रोधः मूलम् अनर्थानाम् ॥

(क्रोध सभी अनर्थों की जड़ है।)